

परमेश्वर प्रकाशक हैं

परमेश्वर की स्तुति

परमेश्वर की स्तुति करना कि वह कौन है, उसके गुण, उसका नाम और उसका स्वभाव।

गुण: परमेश्वर प्रकाशक हैं।

परिभाषा: जो प्रकट करता है या दृश्य में लाता है; प्रकट करता है।

शास्त्र: दानियेल 2:19-23; 1 कुलुस्सियों 2:9-10; प्रकाशितवाक्य 15:4

अपने पापों को उस परमेश्वर के समक्ष चुपचाप स्वीकार करना जो हमें क्षमा करता है।

यदि हम अपने पापों को स्वीकार करें, तो वह विश्वासयोग्य और धर्मी है, जो हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सभी अविनय से शुद्ध करने के लिए। 1 यूहन्ना 1:9 (NASB)

धन्यवाद

जो कुछ उसने किया है, उसके लिए परमेश्वर का धन्यवाद करना।

हर बात में धन्यवाद दो; क्योंकि यह परमेश्वर की इच्छा है जो तुमसे मसीह यीशु में है। 1 थिस्सलुनीकियों 5:18 (NASB)

मध्यस्थता

दूसरों की ओर से प्रार्थना में परमेश्वर के पास आना। दो या तीन का समूह बनाएं। पहले प्रत्येक बच्चे के लिए शास्त्र से प्रार्थना करें, फिर एक विशिष्ट निवेदन करें। प्रत्येक मां एक बच्चे का चयन करती है।

हमारे अपने बच्चे:

शास्त्र : महिमामयी पिता, कृपया आप _____ को ज्ञान और प्रकाशन का आत्मा दें, ताकि वह आपको बेहतर जान सके। एफिसियों 1:17

विशिष्ट निवेदन :

शिक्षक/कर्मचारी:

शास्त्र: नीचे दिए गए शास्त्र या अपने बच्चे के लिए शास्त्र का उपयोग करें।

_____ की आंखें खोलें और उसे अंधकार से प्रकाश की ओर, और शैतान की शक्ति से परमेश्वर की ओर मोड़ें, ताकि वह अपने पापों की क्षमा प्राप्त कर सके और उन लोगों के बीच स्थान पा सके जो यीशु में विश्वास द्वारा पवित्र किए गए हैं। प्रेरितों के काम 26:18

विद्यालय संबंधी चिंताएँ:

- अपने विद्यालय में पुनर्जीवन और आध्यात्मिक जागृति के लिए प्रार्थना करें।
- अपने विद्यालय के कर्मचारियों और विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
- अपने विद्यालय में अन्य चिंताओं के लिए प्रार्थना करें।

मॉम्स इन प्रेयर संबंधित चिंताएं

- प्रार्थना करें कि प्रत्येक विद्यालय विश्वभर में प्रार्थना से आच्छादित हो और प्रार्थना समूह स्थिर बने रहें।
- प्रार्थना करें कि इस सेवकाई की रक्षा हो, जिससे यह शुद्ध और एकता में बनी रहे।
- प्रार्थना करें कि और अधिक दानदाता इस सेवकाई के साथ सहभागिता करें, जिससे समूहों को सशक्त किया जा सके और राष्ट्रों तक सुसमाचार पहुँचाया जा सके।
- हमारे प्रार्थना कैलेंडर से एक सेवकाई निवेदन चुनें।

याद रखें, जो कुछ भी समूह में प्रार्थना किया जाता है, वह समूह में ही रहता है!